NCARD

Agribusiness and Rural Development: Issues and Challenges

National Conference

November 5th (Saturday), 2011

Faculty of Management Studies,
Rajiv Gandhi South Campus
Banaras Hindu University

Media Coverage…..

जापुर

वाराणसी, ६ नवम्बर, २०११ ८

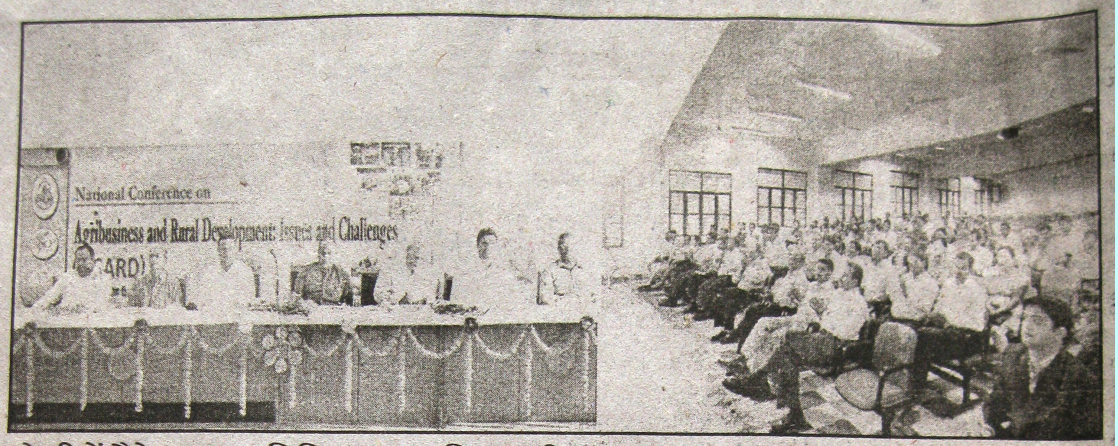

गोष्ठीमें बैठे मुख्य अतिथि तथा उपस्थित भीड़। छाया : आज

कृषि व्यवसाय, ग्रामीण विकास गोष्ठी सम्पन्न

मीरजापुर। बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर काशी हिन्दू विश्व विद्यालय द्वारा एक दिवसीय कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण विकास मुद्दे एवं चुनौतियों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के उदघाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये प्रो0 वी0पी0 सिंह ने कहा कि मीडिया वर्तमान का नारद हैं। उन्होंने 11वीं व 12वीं पंचवर्षीय योजना पर विस्तार से चर्चा की। सम्पूर्ण एवं आंतरिक विकास पर प्रमुखता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि गोबिंद सिंह एमडी उत्कर्स माइक्रोफाइनेंस ने बताया कि उत्तर प्रदेश अत्यधिक जनसंख्या वाला राज हैं। जहाँ करीब 42 प्रतिशत जन संख्या गरीबी रेखा से नीचे हैं। अतः इनके आंतरिक और समूचे विकास की जरूरत हैं। उन्होनें उत्पादन एवं प्रबंधन सुधारने पर भी बल दिया। अभिजीत सिंह कन्वेनर ने संगोष्ठी के महत्व एवं औचित्य पर विस्तार पूर्वक बताया। अध्यक्षीय सम्बोधन में काफ्रेन्स डा0 प्रो0 एसके सिंह चेयरमैन राजीव गांधी दक्षिणी परिसर ने कहा कि बेहतरीन सोध के द्वारा ही गुणवत्ता को सुधारा जा सकता हैं। उन्होंने कृषि प्रबंधन पर प्रमुखता से बल दिया। इस अवसर पर एग्रो बीजनेस एण्ड रूलर डवलपमेन्ट नामक पुस्तक का विमोचन एमबीए के सहायक प्रो0 दृगविन्दु मणि सिंह के सहयोग से मुख्य अतिथि प्रो0 वी0पी0 सिंह, विशिष्ट अतिथि गोबिंद सिंह, डायरेक्टर एसके सिंह, प्रो0 एचपी माथुर, डा0 अभिजीत सिंह, डा0 आशीष सिंह एवं सुभाष प्रताप सिंह ने किया। संगोष्ठी के सेकेटरी जनरल प्रोफेसर एचपी माथुर ने स्वागत सम्बोधन किया। आभार डा0 आशीष सिंह एवं सत्र का संचालन डा0 सुभाष प्रताप सिंह ने किया। संगोष्ठी तीन तकनीकी सत्रों में सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का प्रथम तकनीकी सत्र ग्रामीण विकास के आयाम पर केंद्रित था। इस सत्र में मुख्य वक्ता डा0 टीवी राजीव, बीडी पाण्डेय, अभिषेक कुमार रहे। संगोष्ठी का दृतीय सत्र कृषि प्रबंधन और ग्रामीण विकास मुद्दे पर केंद्रित हैं। इस सत्र के मुख्य वक्ता आर0के0 सिंह, डा0 आर0के0 लोदवाल रहे। इस सत्र का समन्वयन प्रियंका सिंह ने किया। संगोष्ठी का तृतीय सत्र ग्रामीण विकास की नीतियों पर केंद्रित था। इस सत्र में मुख्य वक्ता अनिल कुमार सिंह, डा0 जे0वी0 कोमरईया रहे। इन तकनीकी सत्रों में आसाम, नागालैण्ड, एमपी, बिहार आदि से आये हुये प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का वेलिडिक्टरी सत्र के सहायक प्रो0 एफएमएस, बीएचयू राज किरन प्रभाकर, अभिषेक कुमार प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 प्रशांत बल्लभ सिंह ने किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न प्रांतो के प्रतिभागियों के साथ ही दक्षिणी परिसर के शिक्षक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे।

११वीं और १२वीं पंचवर्षीय योजनाकी हुई चर्चा

निःशुल्क होमियोपैथिक स्वास्थ्य शिविर आज

बढ़ते पर्यावरण संकट पर जताई गई चिंता

संवाददाता

बरकछा। बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में शनिवार को 'कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण विकासः मुद्दे एवं चुनौतियां' विषयक सेमिनार में गांवों के विकास एवं पर्यावरण पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएचयू के प्रो. बीपी सिंह ने ग्यारहवीं व बारहवीं पंचवर्षीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए संपूर्ण एवं आंतरिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांवों में पेड़ों से काटकर मकान और फैक्ट्रियां लगाने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिसके चलते पर्यावरण का खतरा उत्पन्न हो गया है। वर्तमान समय में पानी का दुरुपयोग काफी बढ़ गया है। पेड़ों के कटने से मानसून पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इसे रोकने की आवश्यकता है। उन्होंने जल दोहन को रोकने के साथ ही साथ पौधरोपण पर भी विशेष जोर दिया। कहा कि इससे पेड़ों के लगातार कटने से हो रही हानि को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा और आने वाले समय में पर्यावरण से होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सकेगा।

विशिष्ट अतिथि उत्कर्ष माइक्रो फाइनेंस के प्रबंध निदेशक गोविंद सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अत्यधिक जनसंख्या वाला राज्य है। यहां करीब 42 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। ऐसे में इनके आंतरिक एवं समूचे विकास की जरूरत है। उन्होंने उत्पादन एवं प्रबंधन सुधारने पर भी बल दिया। अभिजीत सिंह ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सेक्रेटरी जनरल प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि यह संगोष्ठी कृषि प्रबंधन एवं समूचे भारत के हित के लिए आयोजित की गई है। बीएचयू साउथ कैंपस के चेयरमैन प्रो. एसके सिंह ने कहा कि बेहतरीन शोध के द्वारा ही गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। इस मौके पर एग्रो बिजनेस एंड रूरल डेवलपमेंट नामक पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि प्रो. बीपी सिंह, गोविंद सिंह, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एचपी माथुर, डा. अभिजीत सिंह, डा. आशीष सिंह एवं डा. सुभाष प्रताप सिंह ने किया। आभार डा. आशीष सिंह ने और सत्र का संचालन डा. सुभाष प्रताप सिंह ने किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र कृषि प्रबंधन और ग्रामीण विकास के मुद्दों पर केंद्रित था। इस सत्र के मुख्य वक्ता आरके सिंह , डा. आरके लोदवाल रहे। तृतीय सत्र ग्रामीण विकास की नीतियों पर केंद्रित था। मुख्य वक्ता अनिल कुमार सिंह, डा. जेबी कोमरैया रहे। इस दौरान आसामान, नागालैंड, मध्य प्रदेश, बिहार आदि प्रांतों से आए प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस मौके पर एमबीए एग्री बिजनेस के सहायक प्रो. दृगविंदु मणि सिंह, डा. पीवी राजीव, बीडी पांडेय, अभिषेक कुमार, अपूर्व मुखर्जी, प्रियंका सिंह, नेहा कुशवाहा, प्रो. एफएमएस, राज किरन प्रभाकर, अभिषेक कुमार, डा. तरुना, प्रो. प्रशांत वल्लभ सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में शिक्षण अधिगम सामग्री पर चर्चा

मिर्जापुर। सर्व शिक्षा अभियान योजनांतर्गत समेकित शिक्षा के तहत आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। रतनगंज स्थित रिसोर्स सेंटर में आयोजित कार्यशाला में शिक्षण अधिगम सामग्री के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों को. बताया गया कि श्रवण विकलांग, दृष्टि, व बहु विकलांग के अलावा मंद बुद्धि तथा सामान्य बच्चों के पठन पाठन में विशेष तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री बहुत ही सहायक हैं। ये सामग्री शिक्षण प्रशिक्षण में सहायक सिद्ध होंगी।

बाबा की चौरी पर मन्न

मनोकामना पूर्ति की उम्मीद लेक

संवाददाता

- कोई मन्नत पूरा होने पर
- तो कोई इंतजार के बाद दे

अहरौरा। बेचूबीर बाबा की चौरी पर मत्था टेक कर मन्नत मांगने वालों में तीनों दिन जैसे होड़ लगी रही। किसी की मनोकामना पूरी हुई तो किसी को सूनी गोद भरने की दरकार है। बेचूबीर मेले में शिरकत करने वाले हर भक्त में मन्नत को लेकर लालसा बनी हुई है।

बिहार भभुआ जिले के कैमूर से आई गुड़िया देवी अपने पति मिंटू के साथ बाबा के चरणों में नतमस्तक हुई तथा सूनी गोद भर जाने से पैदा हुए शिशु को बाबा के चरणों में मत्था टेकवाया। इसी क्रम में बच्चा न होने का दंश झेल रही वाराणसी के चौबेपुर निवासी दीपिका बाबा के सामने अपना आंचल फै लाकर सूनी गोद भरने की फरियाद करती रही। वाराणसी कैंट के विजय कुमार भी अपने परिवार के साथ बाबा के चरणों में मत्था टेक कर अपनी गुहार लगाई। कौशांबी निवासी प्रतिभा सिंह शादी के दस वर्ष बाद भी सूनी गोद के चलते मायूस रही। बाबा के चरणों में इस वर्ष मनौती पूरी होने पर अपनी हाजिरी लगाई। झारखंड के सहतवार निवासी सुष्मिता अपनी गोद में बच्चा लेकर बाबा के दर्शन

अमर उजाला

बरकछा स्थित बीएचयू के साउथ कैंपस में आयोजित सेमीनार में बैठी छात्राएं व अन्य।

साउथ कैंपस लेक्चर थियेटर में छात्रों को संबोधित करते बीएचयू के प्रोफेसर एसके सिंह (बाएं) व (दाएं) लेक्चर थियेटर में छात्र-छात्राएं। जागरण

संगोष्ठी : समाज में पत्रकारों की भूमिका अहम

मीरजापुर : समाज में पत्रकारों की भूमिका अहम है। समाचार पत्रों व इलेक्ट्रानिक चैनलों के माध्यम से विकास योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचती है। उक्त उद्गार है काशी हिंदू विश्व विद्यालय के प्रोफेसर बीपी सिंह के। वे शनिवार को साउथ कैंपस के लेक्चर थिएटर में कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण विकास विषयक गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने 11 वीं एवं 12 वीं पंचवर्षीय योजना पर विस्तार से चर्चा की। आंतरिक विकास पर बल दिया। इस मौके पर माइक्रो फाइनेंस के गोविंद सिंह, एमडी उत्कर्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश सबसे अधिक जन संख्या वाला प्रदेश है। यहां की 42 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। इसके विकास की आवश्यकता है। प्रोफेसर एचपी माथुर ने कहा कि कृषि के विकास के बिना देश व समाज का विकास होने वाला नहीं है। साउथ कैंपस के चेयर मैन प्रोफेसर एसके सिंह ने कहा कि बेहतरीन शोध के द्वारा गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। उन्होंने एग्री बिजनेस एंड रुरल डेवलपमेंट नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर डाक्टर अभिजीत सिंह, डाक्टर आशीष सिंह, डा. सुभाष सिंह, डॉ. पीबी राजीव, अभिषेक , डाक्टर आरके लोदवाल आदि थे। संचालन डॉक्टर सुभाष प्रताप सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर प्रशांत बल्लभ ने किया।

- कृषि विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं
- बेहतरीन शोध से गुणवत्ता होगी बरकरार

03 हिन्दुस्तान
वाराणसी • रविवार • 06 नवम्बर 2011
32.4° अधिकतम 15.2° न्यूनतम
सूर्योदयः 06.09
सूर्यास्तः 05:14

साउथ कैम्पस में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता • हिन्दुस्तान

कार्यशाला में छात्र-छात्राएं • हिन्दुस्तान

पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि • हिन्दुस्तान

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस में प्रबंध शास्त्र संकाय की ओर से कार्यशाला का आयोजन

गांवों के विकास पर देना होगा ध्यानः प्रो. सिंह

निर्जापुर | निज संवाददाता

दिल्ली इकोनॉमिक स्कूल के अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि गांवों के विकास के बगैर देश का विकास नहीं होने वाला है। एग्री बिजनेस का अर्थ केवल एग्रीकल्चर नहीं है, बल्कि इसका सीधा अर्थ व्यापार और ग्रामीण इलाके का विकास है।

प्रो. सिंह कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण विकासः मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में प्रबंध शास्त्र संकाय के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। यह कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया गया।

उन्होने ग्यारहवीं एवं बारहवीं पंचवर्षीय योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि इन पंच वर्षीय योजनाओं में गांवों के विकास पर जोर दिया गया है। गांवों के विकास का अर्थ केवल नाली, खड़ंजा और बिजली, पानी मुहैया कराने तक ही न सीमित रहे, बल्कि गांव के लोगों को रोजगार भी मुहैया कराया जाए। तभी गांवों का विकास हो पाएगा और गांव से गरीबी दूर हटेगी।

उत्कर्ष फाइनेन्स के एमडी व विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह ने कहा कि प्रदेश की 42 फीसदी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करती है। इनके आंतरिक एवं समूचे विकास की जरूरत है। उन्होंने उत्पादन और प्रबंधन सुधारने पर जोर दिया। कहा कि जब तक उत्पादन और प्रबंधन में सामजस्य स्थापित नहीं होगा तब तक विकास की परिकल्पना करना बेमानी साबित होगा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. एसके सिंह ने कहा कि बेहतर शोध से ही गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। खासकर कृषि के क्षेत्र में प्रबंध की जरूरत है। कार्यशाला का पहला सत्र ग्रामीण विकास के आयाम पर केंद्रीत था। डा. पीवी राजीव, बीडी पाण्डेय, अभिषेक कुमार वैश्विक बाजार एवं सब्सिडी के सम्बध में जानकारी दी। द्वितीय सत्र में कृषि और ग्रामीण विकास के मुद्दे पर आधारित था। डा. आरके लोदवाल, आरके सिंह समूह कृषि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशीप को बढ़ावा देने पर जोर दिया। आखिरी चरण में अनिल कुमार सिंह. डा. जेबी कोमरैया ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नवीन तकनीकी के इस्तेमाल पर जोर दिया। इस सत्र का समन्वयन मिस नेहा कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम में प्रो. एचपी माथुर, डा. अभिजीत सिंह, डा. आशीष सिंह एवं डा. सुभाष प्रताप सिंह मौजूद रहे।

पुस्तक का विमोचन

कार्यशाला में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डा. दृगविंदु मणि सिंह की पुस्तक एग्री बिजनेस एण्ड रूरल डेवलपमेंट पुस्तक का भी विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन करने के बाद प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि यह पुस्तक काफी उपयोगी है। इस पुस्तक में एग्री बिजनेस के क्षेत्र में किए गए शोध पत्र का समायोजन किया गया है। डा. दृगविंदु मणि सिंह के परिश्रम को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। विमोचन के दौरान प्रो. एफएमएस, राज किरन प्रभाकर, अभिषेक कुमार, डा. तरूना आदि मौजूद रही। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्रो. प्रशांत वल्लभ सिंह ने आभार जताया।

कार्यशाला

- कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण विकास पर कार्यशाला आयोजित
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में जुटे विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज

साउथ कैम्प बीएचयू में उठा ग्रामीण विकास का मुद्दा

मिर्जापुर (एसएनबी)। बीएचयू साउथ कैम्पस राजीव गांधी बरकछा में शनिवार को कृषि व्यवसाय व ग्रामीण विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रुप में सम्बोधित करते हुए प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि मीडिया वर्तमान में नारद की भूमिका निभा रही है। उन्होंने ग्यारहवीं व बारहवीं पंचवर्षीय योजना पर विस्तार से चर्चा की। इन्होंने सम्पूर्ण व आंतरिक विकास पर प्रमुखता से बल दिया।

विशिष्ट अतिथि गोविन्द सिंह, एम डी उत्कर्ष माक्रोफाइनेन्स ने बताया कि यूपी अत्याधिक जनसंख्या वाला राज्य है, जहां करीब 42 प्रतिशत जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे है। अतः इनके आंतरिक एवं समूचे विकास की जरुरत है। उन्होंने उत्पादन व प्रबंधन सुधारने पा भी बल दिया।

अभीजीत सिंह कन्वेनर ने संगोष्ठी के औचित्य को विस्तार से बताया। स्वागत सम्बोधन करते हुए संगोष्ठी के सेक्रेटरी जनरल प्रो. एच. पी. माथुर ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर एग्री बिजनेस एण्ड रुरल डेवलेपमेंट नामक पुस्तक का विमोचन एमबीए के सहायक प्रा. दृगविन्दु मणि सिंह के सहयोग से मुख्य अतिथि प्रो. बीपी सिंह विशिष्ट अतिथि गोविन्द सिंह, कांप्रेस डायरेक्टर प्रो. एसके सिंह, प्रो. एचपी माथुर, डा. अभिजीत सिंह, डा. अशीष सिंह, डा. सुभाष प्रताप सिंह ने किया। आभार डा. आशीष सिंह व सत्र का संचालन डा. सुभाष प्रताप सिंह ने किया।

तीन सत्र में चला संगोष्ठी का सिलसिला

मिर्जापुर (एसएनबी)। संगोष्ठी का प्रथम तकनीकी सत्र ग्रामीण विकास के आयाम पर केन्द्रित था। इस सत्र में मुख्य वक्ता डा. पीवी सिंह , एसोशियेट प्रो. प्रबंध संकाय डा. पीबी राजू, एमडीडीआईसी बीडी पाण्डे,उत्कर्ष माइक्रो फाइनेन्स से अभिषेक कुमार ने कहा कि वैश्विक बाजार एवं सब्डिज एवं नवीन तकीनी के बारे में अवगत कराया। इस सत्र के समन्वयन अपूर्व मुखर्जी ने किया। द्वतीय सत्र कृषि प्रबंधन ग्रामीण के मुद्दे पर केन्द्रित था। इस सत्र के मुख्य वक्ता आरके सिंह, डा. एके लोदवाल रहे। तृतीय सत्र में ग्रामीण विकास पर आधारित था। इस सत्र में आसाम, नागालैण्ड, एमपी, बिहार से आये प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

मिर्जापुर : मंच पर बैठे अधिकारी व भीड़। फोटो : एसएनबी